EDITION IND ಕನ್ನಡ മലയാളം বাংলা తెలుగు தமிழ் मराठी ગુજરાતી Samayam English Pregatips लॉगिन

NBT नवभारत टाइम्स By THE TIMES OF INDIA

कमोडिटीज़ बिजनेस भारत राज्य दुनिया खेल लाइफस्टाइल धर्म मनोरंजन Astro+Awards लीगल हेल्थ More शहर

बिजनेस न्यूज शेयर बाजार इनकम टैक्स रेलवे

गूगल न्यूज़ में हमारे साथ जुड़ें NBT को सिलेक्ट कर

Ticket fr… Lifebuoy Brand Story Success Story Thalapathy Vijay BRICS Summit Anand Mahindra Post

/ Commod… …old Silver Return Decline Where To Invest

…पछा… , 6 महीने में दिया जबरदस्त रिटर्न, जानें …करें नि…

…| नवभारत… …5, 10:46 pm IST

Subscribe YouTube 12M

Advertisement

2nd T20I, India in Afghanistan
15 SEP
AFG 159/8 20.0 ov
IND 88/1 6.2 ov
IND need 72 runs in 82 balls at 5.26 rpo

Advertisement

Copper Return and Investment Tips: निवेशकों की नजर इस समय सोना और चांदी से हटकर लाल धातु यानी कॉपर पर टिक गई है। पिछले 6 महीने में इसने रिटर्न के मामले में सोना और चांदी को पीछे छोड़ दिया है। इसमें आगे भी बेहतर रिटर्न की उम्मीद लगाई जा रही है।

कॉपर का जबरदस्त रिटर्न।

नई दिल्ली: अगर आप सोना और चांदी की कीमत में उतार-चढ़ाव से परेशान हैं तो एक धातु ऐसी है जो चुपचाप ऊपर चढ़ रही है। स्थिति ऐसी है कि रिटर्न के मामले में इसने पिछले 6 महीने में सोना और चांदी को पीछे छोड़ दिया है। यह धातु कॉपर यानी तांबा है। इसे लाल धातु भी कहा जाता है।

एमसीएक्स पर आज सुबह कॉपर में कुछ गिरावट आई, लेकिन बाद में स्थिति संभल गई। बुधवार दोपहर 1 बजे सितंबर डिलीवरी वाले कॉपर की कीमत 0.13% की तेजी के साथ प्रति किलो करीब 1415 रुपये थी। वहीं लंदन

मेटल एक्सचेंज पर बेंचमार्क कॉपर की कीमत 14,700 डॉलर प्रति टन को पार कर चुकी है जो इसका ऑल टाइम हाई है। जानकारों के मुताबिक कॉपर आगे भी बेहतर रिटर्न दे सकती है।

रेकमेंडेड खबरें ›

Crude Oil Price: 36 साल के न्यूनतम स्तर पर पहुंचा सऊदी अरब का क्रू...

क्रूड $100 के पार लेकिन तेल कंपनियां ₹14,470 करोड़ का मुनाफा काटने ...

Petrol-Diesel Price: कच्चा तेल फिर $100 के पार, पेट्रोल-डीजल की की...

सोने की कीमतों में भारी उछाल ने बदल दी लोगों की आदत, पीएम नरेंद्र मोदी ...

चीन क्या दुनिया में नहीं बचने देगा सोना? लगातार 22

'सोना मत खरीदो', क्या काम कर गई पीएम मोदी की अपील? अगस्त में 30% गिर गया आयात

6 महीने में कितना रिटर्न?

- 6 महीने पहले यानी मार्च में कॉपर की औसत कीमत करीब 1200 रुपये थी। अभी यह 1415 रुपये है। ऐसे में कॉपर ने 6 महीने में करीब 18 फीसदी रिटर्न दिया है।
- एमसीएक्स पर 6 महीने पहले 24 कैरेट सोने का भाव प्रति 10 ग्राम करीब 1.60 लाख रुपये था। अभी यह करीब 1.53 है। ऐसे में इसमें 4 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है।
- चांदी ने भी 6 महीने के रिटर्न में निराश किया है। 6 महीने पहले एमसीएक्स पर चांदी की कीमत प्रति किलो करीब 2.65 लाख रुपये थी। अभी यह करीब 2.41 है। ऐसे में इसमें 9 फीसदी की गिरावट आई है।

एक साल में कॉपर की ऊंची छलांग

बात एक साल की करें तो इसमें 45% से ज्यादा का उछाल आया है। हालांकि इस दौरान सोना और चांदी में भी तेजी देखी गई। लेकिन साल के शुरुआत यानी जनवरी में आई बड़ी गिरावट के साथ सोना और चांदी को संभलने का मौका नहीं मिला है। वहीं इस दौरान कॉपर बाकी दोनों महंगी धातुओं से काफी आगे निकल गया।

Advertisement

कॉपर में तेजी के बड़े कारण

1. AI इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग

- अगर कॉपर की कीमत में तेजी की बात करें तो इसका सबसे बड़ा कारण डेटा सेंटर हैं। दरअसल, इस समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंफ्रास्ट्रक्चर की मांग में काफी वृद्धि हो रही है।
- इसके लिए डेटा सेंटर, क्लाउड कंप्यूटिंग हार्डवेयर वायरिंग और कंपोनेंट्स का काफी इस्तेमाल हो रहा है। इन्हें बनाने में कच्चे माल के तौर पर कॉपर का इस्तेमाल किया जाता है।

2. ईरान-अमेरिका युद्ध

- कॉपर को खदान से निकालने और इसकी रिफाइनिंग के लिए सल्फ्यूरिक एसिड काफी जरूरी होता है।
- दुनिया में ज्यादातर सल्फ्यूरिक एसिड की सप्लाई समुद्र मार्ग के जरिए मध्य पूर्व से होती है।
- ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव के चलते सल्फ्यूरिक एसिड की सप्लाई बहुत ज्यादा नहीं हो रही है, जिससे इसकी कीमत में तेजी आई है। जिसका असर कॉपर की कीमत पर भी पड़ा है।

3. उत्पादन में कमी

Advertisement

- दुनिया में कॉपर का प्रोडक्शन उस मात्रा में नहीं हो रहा है, जिस प्रकार से इसकी मांग बढ़ रही है। ऐसे में बढ़ती मांग और कम आपूर्ति के कारण इसकी कीमत में तेजी आ रही है।
- चिली दुनिया में सबसे ज्यादा कॉपर पैदा करने वाला देश है। वहां इस समय कॉपर का 19 साल में सबसे कम उत्पादन हुआ है।
- चिली में कॉपर उत्पादन में 2.6% की गिरावट आने की उम्मीद जताई जा रही है। ऐसे में इसकी कीमत में और तेजी आ सकती है।

कैसे और कहां करें निवेश?

अगर आप भी कॉपर की बढ़ती कीमत का फायदा उठाकर इसमें निवेश करना चाहते हैं, तो इसके कई तरीके हैं। पहला तरीका कॉपर स्टॉक्स में निवेश करना है। कॉपर से जुड़ा कारोबार करने वाली कंपनियों के शेयर खरीदकर भी इस धातु में निवेश किया जा सकता है। इनमें Hindustan Copper Ltd, Hindalco Industries,

Vedanta Limited, Finolex Cables आदि प्रमुख हैं। शेयर बाजार में निवेश से पहले किसी एक्सपर्ट की राय जरूर लें।

Advertisement

दूसरा तरीका म्यूचुअल फंड में निवेश करना है। हालांकि भारत में अभी कोई कॉपर ईटीएफ नहीं है। हालांकि, निफ्टी मेटल ईटीएफ मौजूद हैं जो धातु और खनन क्षेत्र की कंपनियों के एक ग्रुप में निवेश करते हैं। इनमें Mirae Asset Nifty Metal ETF, HDFC Nifty Metal ETF आदि प्रमुख हैं। इनमें भी निवेश से पहले एक्सपर्ट से राय लें।

बात अगर वेदांता की करें तो कॉपर की रिकॉर्ड तेजी अनिल अग्रवाल की इस कंपनी के लिए खास मायने रखती है। कंपनी का कॉपर कारोबार बढ़ते वॉल्यूम, रॉड उत्पादन और तैयार उत्पादों पर फोकस के चलते ऊंची कीमतों का फायदा उठा सकता है। वैश्विक स्तर पर कॉपर की सीमित आपूर्ति और इलेक्ट्रिफिकेशन, रिन्यूएबल एनर्जी, पावर इंफ्रास्ट्रक्चर व एआई डेटा सेंटरों से बढ़ती मांग कंपनी के लिए सकारात्मक संकेत हैं। आने वाले दिनों में कंपनी के शेयर में भी उछाल देखा जा सकता है।

सबसे ज्यादा पढ़ी गई खबरें

हथिनी माधुरी की कोल्हापुर वापसी शुरू: वनतारा जारी रखेगा मेडिकल केयर

124 साल पहले जिसे 'पुण्य' समझकर लगाया गया, अब वही 'पाप' के रूप में लौटा रहा समंदर

बांग्लादेश में कपल ने 80,000 प्लास्टिक बोतलों से बनाया घर, ईंटों से चौथाई खर्च, पर्यावरण के लिए बन सकता है वरदान